

रुक्तेलुर मोर्के (CHAPTER-10) पात्रखटेश्नाणी सिट॰म (AHANJAOGI MALEM)

யூக்: யுல் காக்கர் இருக்கர் (Writer : Elangbam Dinamani Singh)

ന്टന്ट്ന (SOLUTIONS)

र्टेंटहाणी लक्ष्म

: पार्य अर्था भार्ट्स प्रमा

गाला प्रुष्टिक हार न गोज्य प्रश्नित हैं

= पार्वे त्रेष्टकर 20日日 20日日

MEEH च्चष्ठम बर्दाम भाष्ठाचीर =

मध्म भाष्ठीद्रभर = मञण्बदर्द

 \mathbb{Z} = \mathbb{Z} = \mathbb{Z} = \mathbb{Z}

प्रेंभ्य गारेक्र ह = प्रारोधमार देशिष

ಸ್ತನ-ಸ್ಥ್ರಗಳರ = ट्राच्योऽट

फ्रोगाट[े]ए = एडिस

= ৫৮৯৫ ১%৯৫৪॥। CHEIM

S.

स्ट्रिक वृह्म अब्दलकार्यक्षित्र व्याप्त क्रिक वृह्म अब्दलकार क्षा क्रिक व्याप्त क्षा क्षा क्षा क्षा विश्व विश्व ग्रारेद्धः

S.

गोञ्चः प्रत्याचिष्य ॥ 'हरेंद्रमाध्य ठात्र एक जिस्त क्रिका अवर्य स्त्र प्रमत्रे स्र भार्म् अध्या । अधिकार्य । 'हर्म क्रिका । 'हर्म क्रिका क्रिका । 'हर्म क्र यदाण क्रांच अंद्रेश का प्राप्त अंद्रेश कर के व्याप्त अंद्रेश कर के व्याप्त अंद्रेश कर के व्याप्त अंद्रेश कर के विकास कर कर के विकास कर कर के विकास कर के विकास कर कर के विकास कर कर के विकास कर के विकास कर के विकास कर के वितास कर के विकास कर कर के विकास कर कर र्प्र चौरम घौराम-हूँम वेश्वर्यस्म ग्रीयानम्बर्ध भिष्म विश्वाप्रमं ॥ १ विश्वर्यमा उभन्ब ए लिस्से मार्थ के उत्तर के से का कि से का टूप्पयोत्रय गारेवटिष्ठयी॥

ടം. सिलीय त्रेमटप्पणारुण एसिगाप्ट खानी जुलेपायि सेत्रेणएमि?

गोद्धः सिणिण येष्ठ मेर्याण्या हिस प्रवटणाय्येष्ठ येष्ठ प्रवाणका स्वाणि स्वाण्य स्वाण स्वाण्य स्वाण स्वाण्य स्वाण स्वाण्य स्वाण्य स्वाण्य स्वाण स्वाण्य स्वाण्य स्वाण स

2. प्रजि त्रेण्यू मामा क्षा सम्बाध कार्य के विषेट के प्रचार के विषय क

ग्रोक्षः प्रथा येत्राम्म प्रमाण्य सम्बाध सम्बाध स्वाधित स्वा

ഴ. गेभ्या सिंतिय प्रति ५०% (६०%) द्रैन्न ए निष्या स्वास्ति प्रति प्रति

गोझः गोभिप्रस्वा सिलिय प्रली 50% (२०%) फ्रैंकिष्ट किष्णपर विषय प्रियं किष्ण केष्य प्रेंकिय प्राप्त किष्ण क